वर्ष: 12 - अंक : 134, मुंबई, मंगलवार, 28 जून, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

मूल्य 1 रु.

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

उद्धव ने 22 जून को ही कर ली थी सीएम पद छोड़ने की तैयारी

सरकार बचाने के लिए भाजपा से किया था संपर्क

मुंबई। अपनी ही पार्टी में बगावत का सामना कर रहे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने 22 जून को शाम पांच बजे इस्तीफा देने की तैयारी कर ली थी। सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

संजय राउत को ईडी का समन: जमीन घोटाले के मामले में आज पूछताछ के लिए बुलाया, एक दिन पहले जांच एजेंसी को चुनौती दी थी

जोगेश्वरी में गुटखा माफिया पर बड़ी कार्रवाई

लाखों रुपये का प्रतिबंधित गुटखा बरामद

फाहद गिरफ्तार, शिखर गुटखा का संचालक शोएब और अहमद फरार

शिखर गुटखा का सबसे बड़ा माफिया अतहर मेमन

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई क्राइम ब्रांच यूनिट 9 ने जोगेश्वरी पश्चिम में गुटखा गोदाम पर सफलतापूर्वक छापा मारा, इस छापेमारी में लाखों का गुटखा बरामद हुआ है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

अंतर-राज्यीय मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़, 286 किलोग्राम गांजा जब्त

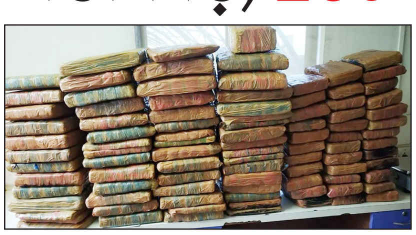

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) की क्षेत्रीय इकाई ने अंतर-राज्यीय मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़ करने और सोलापुर-मुंबई राजमार्ग पर एक वाहन में तस्करों के पास से अच्छी गुणवत्ता का 286 किलोग्राम गांजा जब्त करने का दावा किया है, जिसका बाजार मूल्य 3.5 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

क्या मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल के जानकारी में किया जा रहा है अवैध निर्माण?

शिकायत पत्र देने के बाद भी मनपा बी/वार्ड के अंतर्गत धड़ल्ले से चालू है अवैध निर्माण का बांधकाम

इकबाल सिंह चहल (मनपा आयुक्त)

मुंबई। मनपा बी/वार्ड प्रभाग क्र. 224 के कार्यक्षेत्र अंतर्गत 89, 98 सय्यद काजी स्ट्रीट मस्जिद बंदर, 11 काजी सय्यद स्ट्रीट मस्जिद बंदर मुंबई में हो रहे अवैध निर्माण के बारे में क्या सहायक आयुक्त इकबाल सिंह चहल को जानकारी है या फिर जोरों शोरों से हो रहे इस अवैध निर्माण के बारे में अबतक हैं अंजान? **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

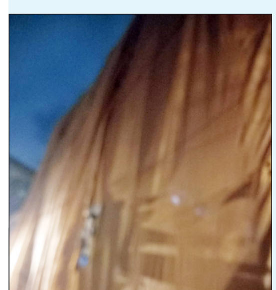

11 काजी सय्यद स्ट्रीट मस्जिद बंदर मुंबई की तस्वीर

89, 98 सय्यद काजी स्ट्रीट मस्जिद बंदर मुंबई की तस्वीर

मनपा B/WARD का सबसे भ्रष्ट सहायक आयुक्त DHANAJI HERLEKAR

अवैध निर्माणकर्ताओं से पैसा लेकर बिना परमीशन का खुलेआम अवैध निर्माण करने का छूट देता है सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर

म्हाडा और मनपा की मिलीभगत से बेकसूर जनता का जानलेवा अवैध निर्माण बिल्डिंग का कार्य जोरों शोरों से किया जा रहा है। बता दें कि भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा बनाई जा रही अवैध बिल्डिंग पूरे लोहे के एंगल पर बनाई जा रही है, और पूरी बिल्डिंग ओवरलोड हो चुकी है और इस वक्त बारिश का मौसम है जिसके कारण कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है, जिसमें हजारों बेगुनाह बेमौत मारे जा सकते हैं, लेकिन मनपा बी/वार्ड के सबसे भ्रष्ट दलाल सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर और म्हाडा के अधिकारियों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है, उन्हें मतलब है सिर्फ भ्रष्टाचार के पैसों से

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

असमानता की चिंता

कोरोना महामारी ने मानव जाति को जो नुकसान पहुंचाया है, उसका अध्ययन आने वाले वर्षों में लगातार होगा और होना भी चाहिए। अभी पूरे आंकड़ों का आना बाकी है, लेकिन नेचर पत्रिका ने विभिन्न स्रोतों से प्राप्त आधिकारिक सर्वेक्षणों पर आधारित जिस रिपोर्ट को प्रकाशित किया है, वह बहुत उल्लेखनीय है। इस रिपोर्ट से दो बातें पुष्ट होती हैं, अव्वल तो इस महामारी ने पूरी दुनिया को गहरे से प्रभावित किया है और दूसरी बात, इस महामारी का असर दुनिया में हर जगह समान नहीं है। दुनिया में पहले से ही बहुत असमानता थी और इस महामारी ने उसे बढ़ा दिया है। नेचर की रिपोर्ट छह ग्राफिक्स के जरिए पूरा विवरण देती है, जिससे आय, स्वास्थ्य, सुरक्षा और अन्य कई मामलों में असमानता के पहलू सामने आते हैं। पिछले दो साल दुनिया के सबसे गरीब लोगों के लिए खास तौर पर चुनौतीपूर्ण रहे हैं, और यह अभी शुरूआत है। इस साल के अंत तक महामारी से पहले की तुलना में कम से कम 7.50 करोड़ लोग गरीबी में धकेल दिए जाएंगे। ये ऐसे गरीब होंगे, जो प्रतिदिन 130 रुपये से भी कम में गुजारा कर रहे होंगे। यह रिपोर्ट भी बताती है कि बढ़ती मुद्रास्फीति ने महामारी के प्रभाव को कैसे बढ़ाया है, हालांकि, महामारी ने भी महंगाई को बल दिया है। उप-सहारा अफ्रीका में स्थिति ज्यादा खराब है, जबकि दक्षिण एशिया जैसे कुछ क्षेत्रों में गरीबी का विश्लेषण करने के लिए पर्याप्त आंकड़े नहीं हैं। वास्तव में चिंता होती है कि भारत सहित दक्षिण एशिया में कोरोना संबंधी आंकड़ों को बहुत विश्वसनीय नहीं माना जा रहा है। फिर भी अनुमान है कि एशिया जल्दी उबर जाएगा, जबकि उबरने में सबसे ज्यादा समय मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका में लगेगा। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ऐंड प्रिवेंशन के आंकड़ों से पता चलता है कि अमेरिका में मृत्यु दर विशेष रूप से वहां के आदिवासियों में ज्यादा रही है, यह दर श्वेत लोगों की तुलना में लगभग 108 प्रतिशत अधिक है और एशियाई मूल के लोगों की तुलना में लगभग 180 प्रतिशत अधिक। मतलब अमेरिका में भी एशियाई मूल के लोगों ने महामारी से सबसे बेहतर मुकाबला किया है। नेचर की रिपोर्ट यह भी बताती है कि महामारी का अन्य सार्वजनिक-स्वास्थ्य समस्याओं पर भी असमान असर पड़ा है, महिलाओं के खिलाफ हिंसा में वृद्धि हुई है। 13 निम्न और मध्यम आय वाले देशों में संयुक्त राष्ट्र की इकाई द्वारा लैंगिक समानता और महिलाओं के सशक्तिकरण पर किए गए सर्वेक्षण में शामिल 45 प्रतिशत महिलाओं का कहना है कि उन्होंने या उनकी जानने वाली महिलाओं ने महामारी के दौरान हिंसा का अनुभव किया है। इस मामले में भारत का जिक्र नहीं है, लेकिन बांग्लादेश में जो सर्वेक्षण हुआ है, वह बताता है कि वहां सर्वाधिक महिलाओं ने हिंसा का अनुभव किया है। ऐसी रिपोर्ट स्वागतयोग्य और अनुकरणीय है। कोरोना महामारी के सामने एशिया या एशियाई लोगों की मजबूती काबिलेगौर पाई गई है, तो यह भी अपने आप में गहरे अध्ययन का विषय है। क्या एशिया में सरकारों के पास स्वास्थ्य, मृत्यु और संक्रमण के समग्र आंकड़े मौजूद हैं? क्या इन देशों के आंकड़ों पर विदेशी संस्थाएं विश्वास कर रही हैं? बहरहाल, असमानता को दूर करने के लिए खास तौर पर मुफ्त अनाज योजनाएं मददगार साबित हुई हैं। बेशक, भारत सहित अन्य देशों में भी गरीबों के स्वास्थ्य बीमा, शिक्षा और सुरक्षा को सुनिश्चित कर दिया जाए, तो असमानता मिटाने में बड़ी मदद मिलेगी।

सन् बाईस ने बहुत बिगाड़ा!

सन् बाईस पृथ्वी को झुलसा रहा है। पिघला रहा है। एक वजह जलवायु परिवर्तन है तो दूसरी वजह विश्व राजनीति का सूखापन है। वह सूखापन, जिससे वे तमाम मानवीय सरोकार खत्म हैं, जिनके लिए विश्व व्यवस्था है। वैश्विक एजेंसियां हैं और आर्थिक-राजनीतिक समीकरण हैं। दक्षिण एशिया पर ही गौर करें। सोचें, मॉनसून शुरू हुआ नहीं और असम व बांग्लादेश पानी में डूबे हुए हैं। बांग्लादेश को लेकर वैश्विक सुर्खियां हैं। उधर श्रीलंका आर्थिक दिवालियेपन से सुर्खियों में हैं। पिछले सप्ताह से भूकंप के कारण अफगानिस्तान भी खबरों में हैं। लेकिन दुनिया का रवैया देखी-अनदेखी का! तालिबानी सरकार ने दुनिया से मदद की अपील की लेकिन इस्लामी देश और चीन-रूस-पाकिस्तान का त्रिगुट भी मदद के लिए दौड़ता हुआ नहीं। जाहिर है दुनिया यूक्रेन-रूस की लड़ाई से ठहरी और ठिठकी है। कोई माने या न माने लेकिन इस एक क्षेत्रीय लड़ाई ने जिस तरह पृथ्वी के आठ अरब लोगों का जीना मुश्किल बनाया है वह दूसरे महायुद्ध के बाद का सबसे बड़ा संकट है। ईंधन (पेट्रोलियम पदार्थों) और अनाज की कमी और महंगाई ने सभी देशों की आर्थिकी को गड़बड़ा दिया है। मुद्रास्फीति, मंदी, पूंजी-निवेश और करेंसियों व कारोबार में आंशकाओं का ढेर बना है।

जर्मनी के बावेरिया के एल्माउ पैलेस में जी-7 देशों (अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, जापान, इटली और कनाडा) के नेताओं की शिखर बैठक हो रही है। तय मानें यह बैठक ऐतिहासिक है। जी-7 और उसके बाद नाटो देशों की बैठक में तय होने वाला है कि कैसे रूस-चीन की साझेदारी से निपटा जाए। यूरोपीय संघ में यूक्रेन की सदस्यता पर हरी झंडी या जी-7 नेताओं के साथ जेलेंस्की की बातचीत आदि का अपना अर्थ है मगर असली विचारणीय मुद्दा अब यह है कि पाबंदियों के बावजूद यदि राष्ट्रपति पुतिन की सेहत पर असर नहीं है तो वजह उनके पीछे चीन का होना है। रूस और चीन दोनों को अहसास है कि जी-7 में उनके खिलाफ नई रीति-नीति बनेगी। 29-30 जून की नाटो बैठक में ऑस्ट्रेलिया, जापान, न्यूजीलैंड और दक्षिण कोरिया (भारत आमंत्रित नहीं) को विशेष अतिथि के रूप में बुलाया गया है तो जाहिर है चीन को लेकर नाटो का हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भी फोकस बनता हुआ है। इसलिए विश्व राजनीति में पश्चिम बनाम रूस-चीन के शक्ति परीक्षण की गोलबंदी सन् बाईस का बड़ा मामला है। जी-7 में रूस पर नई पाबंदियां लगने वाली हैं। सर्दियों से पहले यूरोपीय देशों की तेल-गैस में रूस पर निर्भरता खत्म कराने के नए फैसले होंगे। यूक्रेन को मदद और हथियारों की नई खेप का भी फैसला होगा। देखने वाली बात है कि यूक्रेन के रूसी आबादी वाले पूर्वी प्रांत पर कब्जे के बाद यदि रूस की गोलाबारी राजधानी कीव पर हुई तो उसके जवाब में यूक्रेन को क्या कहा जाएगा? क्या उसे लंबी दूरी की वे मिसाइलें, लड़ाकू विमान मिलेंगे, जिससे वह रूस के भीतर मिसाइल दाग कर जवाब दे सके? पूर्वी इलाके पर कब्जे के बाद रूस पीछे नहीं हटने वाला है। राष्ट्रपति पुतिन और उनके पीछे राष्ट्रपति शी जिनफिंग की वैश्विक दादागिरी के लिए जरूरी है कि या तो यूक्रेन का समर्पण हो या यूरोपीय संघ-अमेरिका थक कर समझौते-सुलह की पहल करें। वे पाबंदियों में ढीले पड़ें। हां, जी-7 की बैठक से ठीक पहले रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर मिसाइल हमला करके जी-7 के नेताओं को मैसेज दिया है कि उसे परवाह नहीं है। तीन दिन पहले की ब्रिक्स बैठक में भी पुतिन और शी जीनफिंग ने प्रतिबंधों को लेकर जैसे तेवर दिखाए उसका सीधा अर्थ है कि सैनिक और आर्थिक दोनों पहलुओं में पुतिन-शी जिनफिंग आत्मविश्वास में हैं। रूस-चीन अपनी जीत होती मान रहे हैं। अपनी धुरी पर दुनिया के बाकी देशों में रूतबा बनने के विश्वास में हैं।

जाहिर है यूक्रेन लड़ाई अब न केवल दोनों खेमों में शक्ति परीक्षण है, बल्कि जो जीता वह विश्व राजनीति का सिकंदर। वह सिकंदर चीन और उसके राष्ट्रपति शी होंगे न कि राष्ट्रपति पुतिन। यूक्रेन के युद्ध से पहले रूस एटमी हथियारों की ताकत पर दुनिया की नंबर दो महाशक्ति था। अब वह चीन का पिछलग्गू है। पुतिन हर तरह से राष्ट्रपति शी जिनफिंग के अहसानमंद हैं। इसलिए जी-7 और नाटों के फोकस में चीन का होना स्वाभाविक है। सवाल है कि लीडरशीप के संकट से जूझ रही पश्चिमी जमात क्या रूस और चीन से एक साथ पंगा ले सकती है? दूसरा विकल्प नहीं है। राष्ट्रपति शी और चीन के थिंक टैक मान रहे हैं कि पश्चिमी देशों के भीतर सामाजिक-राजनीतिक झगड़े हैं। थैचर, रोनाल्ड रीगन, मर्केल जैसे नेता नहीं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन में भी दमखम नहीं है। अपनी जगह ऐसा सोचना गलत नहीं है। लेकिन पिछले पांच महीने (डोनाल्ड ट्रंप के वक्त में भी) का कमाल है जो यूरोपीय देशों और अमेरिका में रूस और चीन दोनों के खिलाफ जनमानस बुरी तरह एकजुट हुआ है। यूरोप में जो हुआ है वह स्वयंस्फूर्त है। अब किसी राष्ट्रपति की जरूरत नहीं है, बल्कि नाटो और यूरोपीय संघ के महासचिव और अध्यक्ष का ही नेतृत्व लोगों में हिट है।

संभव है यह सब इस आकलन से हो कि इतनी पाबंदियों के बावजूद यदि पुतिन थम नहीं रहे हैं तो वजह चीन है। रूस और उसके राष्ट्रपति पुतिन ने यूरोपीय देशों में जहां शत्रुता गहरे पैठाई है वहीं लड़ाई के लंबे खींचते जाने से अमेरिका-यूरोप-जापान-दक्षिण कोरिया-ऑस्ट्रेलिया आदि के पश्चिमी समीकरण में यह खुन्नस बनी है कि असली शैतान चीन है। लंदन की प्रतिष्ठित साप्ताहिक पत्रिका 'द इकोनॉमिस्ट' में जनवरी से ले कर अब तक की कवर स्टोरी में रूस-यूक्रेन और पुतिन व रूस को लेकर दस कवर बने हैं तो दूसरे नंबर पर चीन, राष्ट्रपति शी जिनफिंग और नई विश्व व्यवस्था के कयास के कवर हैं। फिर यूक्रेन-रूस लड़ाई के परिणामों पर विश्लेषण के कवर। इनसे मालूम होता है कि सन् बाईस की विश्व राजनीति क्या है? तय मानें आगे भी पुतिन-शी जिनफिंग की जुगलजोड़ी बनाम पश्चिमी देशों का शक्ति परीक्षण हावी रहेगा। ऐसे में जलवायु परिवर्तन, विश्व आर्थिकी सहित वे तमाम मसले हाशिए में रहेंगे, जिन पर यूक्रेन युद्ध से पहले विश्व समुदाय सोचता-विचारता और फैसले करता हुआ था। सोचें, जलवायु परिवर्तन को लेकर सर्वाधिक गंभीर यूरोपीय समाज अब वापिस कोयले के बिजलीघर शुरू कर रहा है। ईंधन और अनाज के संकट से कई देशों की प्राथमिकताएं बदल गई हैं। ईंधन, अनाज और खाने-पीने के सामानों की महंगाई में श्रीलंका, इक्वाडोर, मिस्त्र, तुर्की, अरब-अफ्रीकी देशों में अशांति-राजनीतिक बवाल बनते हुए हैं। यदि अमेरिका सचमुच मंदी में फंसा और चीन, ब्राजील, रूस, दक्षिण अफ्रीका, भारत के शेयर-पूंजी बाजार से पश्चिमी विदेशी निवेशकों ने पैसा निकालना जारी रखा तो अगले साल तक चंद देशों को छोड़ कर अधिकांश देशों की आर्थिकी से निवेशकों का विश्वास टूट जाना है। ऐसा आर्थिक सिनेरियो क्या फिलहाल कुबेर जैसे चीन का जलवा बनाने वाला नहीं होगा? कुछ जानकारों का मानना है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंग बहुत जल्दी अमेरिकी दबदबे की जगह चाइनीज दबदबे में दुनिया को नचाते हुए होंगे। अपनी सोच अलग है। इसलिए कि चीन जिस अहंकार और घमंड में नंबर एक वैश्विक महाशक्ति है उसकी बुनियाद पश्चिम की पूंजी, तकनीक और बाजार है। चीन नकल कर सकता है, अनुशासित लोगों से मजूदरी करा सकता है, व्यापार-कमाई से वैभव बना सकता है लेकिन वह बुद्धि, अनुसंधान-ज्ञान-विज्ञान नहीं बना सकता है, जिसकी खदान अमेरिका-यूरोपीय सभ्यताएं हैं। इसलिए अल्पकालिक तौर पर भले वह रूतबा बनाता जाए, लेकिन ज्यों-ज्यों वह पश्चिमी विश्वास गंवाएगा अपने आप कमजोर होता जाएगा।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

बाइक स्टंट करने वालों का अड्डा बना कौसा का एमएम वैली रोड

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। कौसा परिसर का एमएमवैली रोड आजकल बाइक स्टंट करने वालों का अड्डा बन गया है यह रोड पर शाम के वक्त प्रतिदिन स्टंट बाज बाइकर्स बाइक उड़ाते हुए अक्सर नजर आते हैं और यह युवक अपनी जिंदगी के साथ तो खिलवाड़ कर ही रहे हैं साथ-साथ इस रोड पर आने जाने वाली दो पहिया वाहन चालकों की भी जिंदगी खतरे में डाल रहे हैं ऐसा ही एक मामला कौसा एमएमवैली परिसर से सामने आया है शहजाद नाम के युवक ने अपनी बाइक हवाई तवाई दौड़ाते हुए एक एक्टिवा सवार बुजुर्ग से जा टकराई जिससे शहजाद की बाइक जमीन पर जा गिरी और उसके पैर की हड्डी टूट गई लेकिन गनीमत तो यह रही यह बुजुर्ग व्यक्ति एक्टिवा सवार को मामूली चोट आई है फिलहाल

शहजाद को साइन अस्पताल में उपचार हेतु भर्ती कराया गया है यह युवक चांदनगर परिसर का बताया जा रहा है आपको बताते चलें यह बाइक स्टंट बाइकर्स के कारण आए दिन कोई न कोई दुर्घटनाएं घट रही है फिलहाल इन बाइक स्टंट करने युवकों पर अंकुश लगाना बेहद जरूरी है क्योंकि इन्हीं बाइक स्टंट करने वालों को वजह से आज एक एक्टिवा सवार बुजुर्ग की जान जाते-जाते बची यह बाइक स्टंट का सारा मंजर एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया जिससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि शहजाद और अन्य युवक बाइक स्टंट करने वाले हवाई तवाई बाइकों को उड़ाने वाले अपनी जिंदगी के साथ खिलवाड़ कर ही रहे हैं साथ में औरों को मुसीबत में डालने का काम कर रहे हैं फिलहाल हम मुंब्रा पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कडलग से निवेदन करते हैं की कृपा शाम के वक्त कौसा एमएम वैली परिसर में पेट्रोलियम के लिए अपने कर्मचारियों को जरूर भेजें और बाइक स्टंट करने वाले युवकों पर सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और ऐसा सबक सिखाया जिससे बाइक स्टंट करने वाले युवकों की नानी याद आ जाए आपसे निवेदन है वह इसलिए क्योंकि हमारे पास आए दिन बाइक स्टंट करने वाले युवकों की शिकायतें वहां के रहवासियों द्वारा की जा रही है।

शिवसेना सुप्रीमो उद्धव ठाकरे के समर्थक उतरे सड़कों पर

संवाददाता/समद खान

भिवंडी। बीते एक हफ्ते से शिवसेना पार्टी में चल रही उत्तल पुथल को लेकर पूरे महाराष्ट्र में शिवसेना सुप्रीमो उद्धव ठाकरे के समर्थक एकनाथ शिंदे और बागी विधायकों के विरोध में सड़कों पर उतर आए हैं और शिवसैनिकों में एकनाथ शिंदे और बागी विधायकों के विरुद्ध में भारी आक्रोश नजर आ रहा है पूरे महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे के और बागी विधायकों को लेकर जो आग पूरे महाराष्ट्र में लगी है उसके असर भिवंडी शहर में भी दिखाई दे रहे हैं भिवंडी शहर के शिवाजी पार्क पर तमाम शिवसैनिक सड़कों पर उतर कर एकनाथ शिंदे

एकनाथ शिंदे और बागी विधायकों के विरुद्ध में की गई नारेबाजी, खासदार श्रीकांत शिंदे के कार्यालय में की गई तोड़फोड़

के और बागी विधायकों की विरुद्ध में अपशब्द नारे लगाए जा रहा है और कई जगह पर एकनाथ शिंदे के पुतले को भी जलाया गया और बागी विधायकों के कार्यालय में भी तोड़फोड़ के साथ पोस्टरों में कालिख पोती गई और जमकर हंगामा किया गया आक्रोशित शिवसैनिकों ने कल्याण लोकसभा सांसद श्रीकांत शिंदे के कार्यालय में भी तोड़फोड़ की दरअसल आपको बता दें शिवसेना पार्टी में जो फूट एकनाथ शिंदे द्वारा डाली जाने से पूरी आघाड़ी एमवीए सरकार में भूचाल आ गया है और शिवसेना सुप्रीमो उदय ठाकरे के समर्थक भिवंडी शहर के शिवाजी पार्क पर विरोध प्रदर्शन कर सड़कों पर उतर कर जमकर एकनाथ शिंदे के और बागी विधायकों के विरुद्ध में अपशब्द नारेबाजी की गई और जमकर हंगामा किया।

हम अभिनेत्री केतकी चितले को गिरफ्तार नहीं करेंगे: बंबई उच्च न्यायालय

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने सोमवार को बंबई उच्च न्यायालय को बताया कि राकांपा प्रमुख शरद पवार के खिलाफ अपने सोशल मीडिया अकाउंट से कथित रूप से आपत्तिजनक पोस्ट साझा करने को लेकर दर्ज शेष 21 प्राथमिकी के सिलसिले में अभिनेत्री केतकी चितले को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। चितले के खिलाफ महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों में 22 प्राथमिकी दर्ज की गई है। अभिनेत्री को कलवा पुलिस थाने में दर्ज एक प्राथमिकी के सिलसिले में गत 14 मई को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन उन्हें ठाणे की एक अदालत से पिछले हफ्ते जमानत मिल गई थी। इसके पहले इस महीने चितले ने प्राथमिकी को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति नितिन जामदार और न्यायमूर्ति एन आर बोर्कर की पीठ के समक्ष सोमवार को यह याचिका सुनवाई के लिए आई। लोक अभियोजक अरुण कामत पई ने अपने बयान में कहा कि याचिकाकर्ता को बाकी के 21 मामलों में गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। पीठ ने कामत के बयान को स्वीकार करते हुए मामले की अगली सुनवाई 12 जुलाई को तय की।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

क्या मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल के जानकारी में किया जा रहा है अवैध निर्माण?

सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर के आदेशों पर सबसे बड़ा भूमाफिया रफीक राजस्थानी खुलेआम बेखौफ कर रहा है अवैध निर्माण का कार्य। इस अवैध निर्माण कार्य के बारे में कई बार मनपा बी/वार्ड में शिकायत पत्र दिया गया, लेकिन शिकायत पत्र देने के बावजूद मनपा बी/वार्ड में बेखौफ भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा आज भी अवैध निर्माण कार्य चालू है। मनपा बी/वार्ड के अंतर्गत हो रहे इस अवैध निर्माण कार्य की शिकायत अगर आप म्हाडा में करने जायेंगे तो म्हाडा के अधिकारियों द्वारा कहा जाता है कि यह मनपा का काम है और अगर मनपा में जायेंगे तो मनपा के अधिकारी कहते हैं इस निर्माण को म्हाडा से परमीशन मिला हुआ है, शिकायतकर्ता को म्हाडा और मनपा के अधिकारी गुमराह करते हुये एक दूसरे पर जिम्मेदारी थोंप देते हैं, सवाल यह है कि जिस निर्माण को परमीशन मिला ही नहीं है तो उसे कैसे निर्माण किया जा रहा है? म्हाडा और मनपा की मिलीभगत से बेकसूर जनता का जानलेवा अवैध निर्माण बिल्डिंग का कार्य जोरों शोरों से किया जा रहा है। बता दें कि भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा बनाई जा रही अवैध बिल्डिंग पूरे लोहे के एंगल पर बनाई जा रही है, और पूरी बिल्डिंग ओवरलोड हो चुकी है और इस वक्त बारिश का मौसम है जिसके कारण कभी भी कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है, जिसमें हजारों बेगुनाह बेमौत मारे जा सकते हैं, लेकिन मनपा बी/वार्ड के सबसे भ्रष्ट दलाल सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर और म्हाडा के अधिकारियों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है, उन्हें मतलब है सिर्फ भ्रष्टाचार के पैसों से। बता दें कि सूत्रों द्वारा पता चला है कि भूमाफिया रफीक राजस्थानी द्वारा बी/वार्ड में किये जा रहे अवैध निर्माणों का पैसा मनपा बी/वार्ड के अधिकारी किरण दास और विशाल साखरकर द्वारा मनपा बी/वार्ड के सहायक आयुक्त धनाजी हेरलेकर तक पहुंचाया जाता है।

जोगेश्वरी में गुटखा माफिया पर बड़ी कार्रवाई

बता दें कि ओशिवारा पुलिस स्टेशन के ताशकंद होटल क्षेत्राधिकार के बगल में प्रतिबंधित गुटखा की 10 गोनी और इंडिको कार जब्त किया है साथ ही फाहद नाम का एक व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया गया है, शिखर गुटखा का संचालक शोएब और अहमद फरार हैं। बता दें कि शिखर गुटखा का सबसे बड़ा संचालक अतहर मेमन है। जोन-9 के डीसीपी मंजुनाथ सिंगे से अपील है कि ऐसे गुटखा माफियाओं पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई कर इनका धंधा बंद करवाये, और उसको अंजाम तक पहुंचाये। ताकी ऐसे गुटखा माफिया युवा पीढ़ी को बर्बाद न कर सके।

अंतर-राज्यीय मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़

एनसीबी के अधिकारी ने बताया कि रविवार-सोमवार की दरमियानी रात को मादक पदार्थ-रोधी अभियान के बाद दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि एनसीबी को सूचना मिली थी कि एक अंतर-राज्यीय गिरोह भारी मात्रा में मादक पदार्थ मुंबई भेजने की योजना बना रहा है। अधिकारी ने कहा कि तत्काल विभिन्न खुफिया नेटवर्क हरकत में आए और एनसीबी के अधिकारियों को एक वाहन के बारे में पता चला, जिसका इस्तेमाल आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से भारी मात्रा में गांजा भेजने के लिए किया गया था। उन्होंने कहा कि सूचना मिलने के बाद दो दिन के लिए सोलापुर-मुंबई राजमार्ग पर रणनीतिक रूप से कई टीम तैनात की गयी। रविवार देर रात एक संदिग्ध वाहन को रोका गया, जिसमें दो व्यक्ति सवार थे। वाहन की तलाशी के दौरान उसमें छुपाए गये 95 पैकेट मिले। अधिकारी ने कहा कि इन पैकेट से कुल 286 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया और दोनों व्यक्तियों को हिरासत में ले लिया गया। एनसीबी अधिकारी ने कहा कि प्रारंभिक जांच में एक अंतर-राज्यीय मादक पदार्थ गिरोह की संलिप्तता का पता चला है, जिसके तार महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना सहित विभिन्न राज्यों में फैले हुए हैं।

उद्धव ने 22 जून को ही कर ली थी सीएम पद छोड़ने की तैयारी

बताया गया है कि जब उद्धव को यह साफ हो गया था कि बागी विधायकों की संख्या लगातार बढ़ती ही जा रही है और उनकी सरकार को बचाने का कोई रास्ता नहीं है, तब उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया था। सूत्रों ने कहा कि उद्धव ठाकरे ने इस दौरान महाविकास अघाड़ी सरकार को संकट से निकालने के लिए भाजपा नेताओं से भी संपर्क किया। हालांकि, जब बात नहीं बनी तो उन्होंने इस्तीफा देने और फिर 22 जून की शाम को ही शिवसेना संस्थापक बालासाहेब के स्मारक पर जाने की तैयारी कर ली थी। ठाकरे ने इस्तीफे के एलान के लिए पांच बजे का समय तक तय किया था। लेकिन योजना में बदलाव के बाद कॉन्फ्रेंस को 5.30 बजे के लिए तय किया गया।

● महाराष्ट्र के मुंबई स्थित कांदिवली ईस्ट ठाकुर कॉलेज के पास राजस्थान के रहने वाले सुरेश आर प्रजापति तथा दक्ष फाउंडेशन के मुंबई अध्यक्ष द्वारा उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक) के संपादक ओम प्रकाश प्रजापति को साल, पेन देकर सम्मानित करते हुए।

कमलनाथ के गढ़ में कांग्रेस की मुसीबत

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में कांग्रेस एक अलग ही मुसीबत से जूझ रही है। कांग्रेस का दावा है कि छिंदवाड़ा में वोटर पार्टी प्रत्याशियों से शराब पिलाने या शराब के लिए पैसा देने की मांग कर रहे हैं। मप्र कांग्रेस ने इसके लिए राज्य निर्वाचन आयोग को भी पत्र लिखा है। जानकारी के अनुसार मप्र कांग्रेस के चुनाव आयोग कार्य प्रभारी जेपी धनोतिया के हस्ताक्षर से एक पत्र राज्य निर्वाचन आयोग को लिखा गया है। इसमें छिंदवाड़ा के सहायक आबकारी आयुक्त द्वारा दिए गए निर्वाचन व्यय में शराब का खर्च भी शामिल किए जाने संबंधी आदेश को निरस्त करने की मांग की गई है। साथ ही उनके विरुद्ध कार्रवाई की भी मांग की गई हैं। पत्र में बताया गया है कि नगरीय निकाय चुनाव खर्च के संबंध में छिंदवाड़ा के सहायक आबकारी आयुक्त माधुसिंह भयड़िया द्वारा 6 जून 2022 को कार्यालयीन पत्र जारी कर देशी-विदेशी शराब की बिक्री के संबंध में दरें निर्धारित की गई है एवं पत्र में स्पष्ट उल्लेख है कि उक्त दरें निर्वाचन व्यय मॉनिटरिंग हेतु उपलब्ध कराई जा रही है।

भ्रष्टाचार से तंग आकर महिला ने अनशन कर दी आत्महत्या की चेतावनी

2 साल से विरासत दर्ज कराने के लिये लगा रही चक्कर

संवाददाता/अरमान उल हक

संभल। जनपद संभल की तहसील गुन्नौर थाना धनारी क्षेत्र के गांव बायभूड निवासी महिला के कोई भाई ना होने पर उसकी मां ने मरने से पूर्व महिला के नाम अपनी चल अचल संपत्ति की विरासत अपनी बेटी के नाम कर गयी थीं। जिसको लेकर महिला 2 साल से लगातार अधिकारियों के चक्कर लग रही है। परन्तु अभी तक विरासत दर्ज नहीं हो पाई है। महिला का आरोप है कि भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश का दावा सरकार ने किया है परन्तु इसके बाबजूद भी वह लगातार दो साल से तहसील परिसर के चक्कर लगा रही है। परन्तु कोई अधिकारी सुनवाई नहीं कर रहा है। थाना धनारी क्षेत्र के गांव बायभूड निवासी इन्द्रा यादव के कोई भाई ना होने की बजह से उनकी मां रुमालों देवी निवासी वावेपुर तहसील चंदौसी ने अपनी चल अचल संपत्ति की वसीयत

अपनी बेटी इंन्द्रा यादव के नाम मरने से पूर्व ही कर दी थी। मां की म्रत्यु के बाद इंद्रा यादव लगातार दो साल से तहसील परिसर के चक्कर लगा रही हैं। परन्तु उनकी वसीयत दर्ज नहीं हुई है। पीडिता ने एक मार्मिक अपील करते हुये क्षेत्र मे पंपलेट वितरित किये हैं जिसके अनुसार जहां एक तरफ सरकार की नीति प्रदेश को भ्रष्टाचार से मुक्त कर आमजनमानस तक न्याय पहुंचाना है वहीं तहसील चंदौसी का प्रशासन सरकार की मंशा पर पानी फेरने का कार्य कर रहा है। वह लगातार उच्चाधिकारियों के चक्कर लगा रहीं है परन्तु कोई सुनवाई नहीं हो रही है। विरासत दर्ज करने के नाम पर उनसे पैसों की मांग की जा रही है। ऐसे में न्याय ना मिलने के चलते अंतिम विकल्प आत्महत्या ही हो सकता है। उन्होंने अधिकारियों के सामने एक दिन का सांकेतिक धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी भी दी।

नशामुक्त समाज से ही विश्वगुरु बनेगा भारत

नई दिल्ली। काशियाना फाउंडेशन के प्रमुख और सुमित सिंह द्वारा दिल्ली स्थित कंस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में राष्ट्रीय संघोष्ठी एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया था। 21 राज्यों से आए 30 समाजसेवियों को किया गया पुरस्कृत, जिसमे महाराष्ट मुंबई से डॉक्टर अजय एल दुबे राष्ट्रीय अध्यक्ष बेटी पढ़ाओ चैरिटेबल ट्रस्ट भी शामिल थे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केंद्रीय मंत्री भाजपा विजय गोयल, भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्याम जाजू, पूर्व अध्यक्ष दिल्ली व सांसद मनोज तिवारी, इंडिया एथलीट दीपा मलिक, हरीश सिंह, धर्मेश जोशी और बहुत सारे गणमान्य उपस्थित थे।

अंतराष्ट्रीय ओलिंपिक दिवस के मौके पर 'नेशनल सेल्फ डिफेंस मिशन' का आधिकारिक प्रमोचन

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

नई दिल्ली। अंतराष्ट्रीय ओलिंपिक दिवस के मौके पर संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद द्वारा प्रमाणित डॉ बी आर अम्बेडकर स्पोर्ट्स फाउंडेशन एवं राष्ट्रीय मार्शल आर्ट्स अकादमी इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में नेशनल सेल्फ डिफेंस मिशन का आधिकारिक प्रमोचन किया गया।नेशनल सेल्फ डिफेंस मिशन के अधीन देश के सभी ग्रामीण, कस्बो, शहरो, स्कूलो, कॉलेजो एवं सोसाइटीयो में लड़कियों और महिलाओ को मार्शल आर्ट्स एवं आत्मरक्षा की तकनीकी का अभ्यास कराया जा रहा हैं और आत्मरक्षा के साथ साथ महिलाओ को आत्मविश्वास, आत्मनिर्भर और स्वाभिमानी बनाने की पहल की जाएगी। देश में नेशनल सेल्फ डिफेंस मिशन को संचालित करने के लिए एक बोर्ड बनाया जा रहा हैं, जिसमे एक चेयरमैन, दो वाईस चेयरमैन और एक नेशनल कोऑर्डिनेटर, एक प्रॉकेक्ट कोऑर्डिनेटर, दो सहायक प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर के आलावा एक चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर फाउंडेशन द्वारा नियुक्त किया जाएगा। डॉ बी आर अम्बेडकर स्पोर्ट्स फाउंडेशन द्वारा नेशनल सेल्फ डिफेंस मिशन को सचकित करने के लिए सोनी भारत को राष्ट्रीय कोऑर्डिनेटर नामित किया गया हैं, इसके आलावा देश में करीब 36 राज्य कोऑर्डिनेटर एवं 742 जिला कोऑर्डिनेटर के साथ साथ प्रत्येक जिले में 5 से 10 ट्रेनर नियुक्त किये जायेगे, जो नेशनल मार्शल आर्ट्स अकादमी द्वारा अधिकृत होंगे और उनके द्वारा महिलाओ को आत्मरक्षा के साथ साथ आत्म-सम्मान, आत्म-निर्भर और स्वभानी बनाने की ट्रेनिंग दी जाएगी। नेशनल सेल्फ डिफेंस मिशन को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारों के आलावा कॉपोरेट की भी मदत ली जाएगी। राष्ट्रीय आत्मरक्षा मिशन से जुड़ने के लिए आपको मार्शल आर्ट्स और सेल्फ डिफेंस का तकनीकी ज्ञान होना चाहिए।

वाय एस एस बल्ड ग्रुप जोधपुर और सिखवाल समाज ने ली शपथ और चलाया नशा मुक्ति अभियान

संवाददाता
सैय्यद अलताफ हुसैन

जोधपुर। वाईएसएस ब्लड ग्रुप के संगठन मंत्री रामस्वरूप शर्मा ने बताया हर वर्ष 26 जून को 'अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस' मनाया जाता है। नशीली वस्तुओं और पदार्थों के निवारण के लिए 'संयुक्त राष्ट्र महासभा' ने 7 दिसंबर 1987 को यह प्रस्ताव पारित किया था और तभी से हर साल लोगों को नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से इसे मनाया जाता है। जोधपुर जिला अध्यक्ष नदीम बख्श ने बताया नशा, एक ऐसी बीमारी है जो कि युवा पीढ़ी को लगातार अपनी चपेट में लेकर उसे कई तरह से बीमार कर रही है। शराब, सिगरेट, तम्बाकू एवं ड्रग्स जैसे जहरीले पदार्थों का सेवन कर युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा नशे का शिकार हो रहा है। आज फुटपाथ और रेल्वे प्लेटफार्म पर रहने वाले बच्चे भी नशे की चपेट में आ चुके हैं। सिखवाल समाज के अध्यक्ष सुरेश कुमार तिवारी ने बताया लोग सोचते हैं कि वो बच्चें कैसे नशा कर सकते है जिनके पास खाने को भी पैसा नहीं होता। परंतु नशा करने के लिए सिर्फ मादक पदार्थो की ही जरुरत नहीं होती, बल्कि व्हाइटनर, नेल पॉलिश, पेट्रोल आदि की गंध, ब्रेड के साथ विक्स और झंडु बाम का सेवन करना, कुछ इस प्रकार के नशे भी किए जाते हैं, जो बेहद खतरनाक होते हैं जागरूकता अभियान मे 31 लोगो ने भविष्य मे नशा नही करने की शपथ ली।नशे की लत ने इंसान को उस स्तर पर लाकर खड़ा कर दिया

है कि अब व्यक्ति मादक पदार्थों के सेवन के लिए किसी भी हद तक जा सकता है, वह नशे के लिए जुर्म भी कर सकता है। नशे के मामले में महिलाएं भी पीछे नहीं है। महिलाओं द्वारा भी मादक पदार्थों का बहुत अधिक मात्रा में सेवन किया जाता है। व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में तनाव, प्रेम संबंध, दांपत्य जीवन व तलाक आदि कारण, महिलाओं में नशे की बढ़ती लत के लिए जिम्मेदार है। यह जरुरी नहीं है कि नशा सिर्फ मादक पदार्थों का सेवन कर ही किया जाए,नशा किसी भी प्रकार का हो सकता है। केवल आपकी जानकारी के लिए जानिए नशे के विभिन्न प्रकार -

1. मादक पदार्थों का सेवन - मादक पदार्थों के सेवन में शराब, सिगरेट, ड्रग्स, हेरोइन, गांजा, भांग आदि शामिल हैं।

2. अन्य - शोधकर्ताओं के अनुसार हर वह चीज जो आपको जिसकी आपको लत लग जाए, नशे की श्रेणी में ही आता है। ऐसी ही कुछ आदतें हैं जिन्हें छोड़ना बेहद मुश्किल होता है जैसे - मादक पदार्थों के अलावा चाय, काफी, वर्तमान समय के नवीन यंत्र जैसे - विडियो गेम्स, स्मार्ट फोन, फेसबुक आदि का ज्यादा मात्रा में उपयोग भी नशे की श्रेणी में आते है।

नशे से हानियां

1. मादक पदार्थों के सेवन से सबसे बड़ी हानि, स्वास्थ्य की हानि है। इससे आपके शरीर के कई अंगों पर एक साथ विपरीत असर पड़ता है। खास तौर से यह आपके दिमाग को भी अपनी चपेट में ले लेता है।

2. नशा करने वाला व्यक्ति हमेशा चिढ़ा हुआ और मानसिक तनाव से ग्रसित होता है।

3. नशा करने वाला व्यक्ति सदैव अपने ख्यालों में ही रहता है, उसे अपने आस-पास के माहौल से ज्यादा मतलब नहीं होता है।

4. नशा करने वाला व्यक्ति आर्थिक, मानसिक एवं शारीरिक सभी से कमजोर होता है।

5. नशा करने वाला व्यक्ति अपने समाज एवं परिवार से बिलकुल दूर हो जाता है। कार्यक्रम का संचालन कुलदीप तिवारी ने किया और यह कार्यक्रम में मौजूद रहे जिन्होंने शपथ ली और दिलवाई वाई एस एस ब्लड ग्रुप अध्यक्ष नदीम बक्स वाईएसएस ब्लड ग्रुप के संगठन मंत्री रामस्वरूप शर्मा सिखवाल समाज के जोधपुर तजिला अध्यक्ष सुरेश कुमार तिवारी मुकेश जी गौतम जी मनीष जी ओझा विशाल जी शर्मा प्रदीप जी कुलदीप जी मुकेश जी सुनील जी गजेंद्र जी इंद्र राज जी आदि मौजूद रहे।

बागी विधायकों पर आपत्तिजनक टिप्पणी पर भड़के एकनाथ शिंदे के बेटे

मुंबई। शिवसेना के बागी नेता एकनाथ शिंदे के बेटे और कल्याण से सांसद श्रीकांत शिंदे ने संजय राउत को चेतावनी दी है। श्रीकांत ने राउत पर उस बयान के लिए निशाना साधा है, जिसमें शिवसेना नेता ने बागियों को 'बिना आत्मा का शरीर' करार दे दिया था। उन्होंने साफ शब्दों में राउत को जुबान संभालने के लिए कहा है। शिवसेना नेता आनंद दिघे के स्मारक पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान श्रीकांत ने कहा कि राउत को जुबान संभालकर बात करनी चाहिए। वे भी किसी के पिता हैं और उनका परिवार भी उनके बयानों को देख रहा है। श्रीकांत शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र की यह संस्कृति नहीं है। जिस लहजे में राउत यह बयान दे रहे हैं, उसे पूरा राज्य देख रहा है। यह तभी होता है, जब किसी को सत्ता जाती दिखती है। श्रीकांत शिंदे ने सोमवार को कहा कि महाराष्ट्र के विधानसभा उपाध्यक्ष नरहरि जिरवाल ने उनके पिता और 15 अन्य असंतुष्ट विधायकों को दबाव में अयोग्य करार देने का नोटिस भेजा था जो कि सुप्रीम कोर्ट के

आदेश से स्पष्ट है। गौरतलब है कि न्यायालय ने महाराष्ट्र विधानसभा के उपाध्यक्ष द्वारा जारी अयोग्यता नोटिस के खिलाफ शिवसेना के बागी विधायकों को राहत प्रदान करते हुए सोमवार को कहा कि संबंधित विधायकों की अयोग्यता पर 11 जुलाई तक फैसला नहीं लिया जाना चाहिए। हालांकि, शीर्ष अदालत ने महाराष्ट्र सरकार की उस याचिका पर अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया, जिसमें विधानसभा में बहुमत परीक्षण नहीं कराए जाने का अनुरोध किया गया था। अदालत ने कहा कि वे किसी भी अवैध कदम के खिलाफ उसका रुख कर सकते हैं। कल्याण से लोकसभा सांसद ने कहा, विधानसभा में अध्यक्ष को अधिकार होते हैं। यदि कोई विधानसभा में व्हिप के खिलाफ जाता है तो उन्हें अधिकार हैं। लेकिन यह तब लागू नहीं होता जब कोई किसी बैठक में नहीं आ रहा। यह तुगलकी फरमान दबाव में जारी किया गया था और अदालत ने आज यह साफ कर दिया है। श्रीकांत के पिता और वरिष्ठ शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ बगावत का नेतृत्व कर रहे हैं और उनकी अगुवाई में बड़ी संख्या में पार्टी के बागी विधायक गुवाहाटी में डेरा डाले हैं।

मानव सेवा समिति के सहयोग से जन्मदिन की खुशी में किया पौधारोपण

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

अबोहर। मानव सेवा समिति द्वारा विभिन्न तरह की सेवाएं निभाई जा रही हैं जिनमें से एक सेवा पर्यावरण को संभालने की भी है। इस सेवा के तहत पौधारोपण के साथ-साथ पहले लगाए गए पौधों की देखभाल की सेवा शामिल है। इस सेवा में आज दो शख्सियतों ने अपना योगदान दिया है, जिनके नाम राज चावला और प्रवेश शर्मा है। दोनों शख्सियतों ने अपने जन्मदिन की खुशी में संस्था के सहयोग से नई अनाज मंडी में सड़क किनारे जामुन और शहतूत के पौधे लगाए हैं।संस्था के प्रमुख सेवादार सुभाष मानव ने बताया कि मानव सेवा समिति के माध्यम से पर्यावरण प्रेमियों द्वारा अपने जीवन के यादगार लम्हों पर पौधा लगाना एक परंपरा बन गई है। इसी कड़ी में आज राज चावला और प्रवेश शर्मा द्वारा नई अनाज मंडी में अपने जन्मदिन की

खुशी में पौधे लगाए गए हैं। जिक्रयोग है कि दोनों शख्सियतों ने करीब एक हफ्ता पहले अपने जन्मदिन की खुशी में पौधा लगाने की इच्छा प्रकट की थी और उनके विचार का स्वागत करते हुए इस सेवा को निभाया गया है। इसके साथ ही संस्था के सेवादारों सोम गांधी, गुरप्रीत सिंह, दविंदर सिंह रावत, सुभाष (पीएसपीसीएल), आकाशदीप सिंह, अमित, महावीर प्रसाद, प्रवीण ग्रोवर और संजय मानव द्वारा 5 मरे हुए पौधों की जगह नए पौधे लगाए गए हैं और अनाज मंडी के अंदर और बाहर लगाए पौधों को पानी दिया गया है। राज चावला और प्रवेश शर्मा द्वारा संस्था को हार्दिक धन्यवाद दिया गया। संस्था की तरफ से पौधारोपण में सहयोग करने वाली दोनों शख्सियतों को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी जाती हैं और परमात्मा से इनके परिवार सहित तंदुरुस्ती और खुशियों भरे जीवन की प्रार्थना की जाती है।

दैनिक मुंबई हलचल
जरूरी सूचना
पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.
धन्यवाद... संपादक
9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मनपा आयुक्त के आदेशों को दिखाया जा रहा है ठेंगा

भ्रष्टाचार के बलबूते ठेकेदार कय्यूम चौधरी प्रभाग क्र.166 में धड़ल्ले से कर रहा है अवैध निर्माण

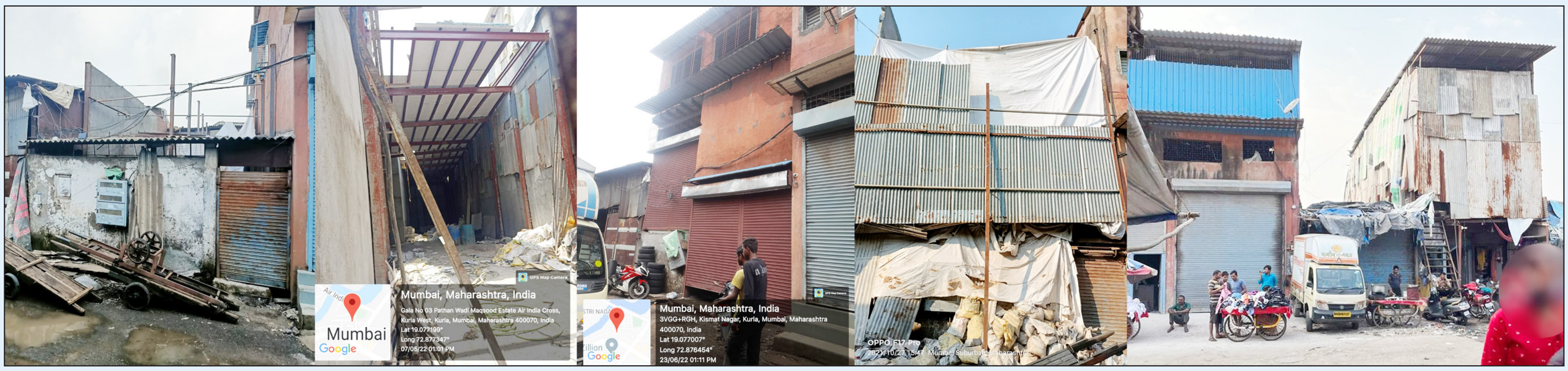

संवाददाता / अजय उपाध्याय

मुंबई। मुबई महानगरपालिका के आने वाले कार्यक्षेत्र एल/विभाग कुर्ला प्रभाग क्र.166 मदनी होटल के बाजू में अंसारी वजन कांटा के समीप एयर इंडिया रोड किस्मत नगर कपाड़िया नगर और कपाट वाला रेक्झिन गली किस्मत नगर कपाड़िया नगर कुर्ला (प.) दो जगहों पर ठेकेदार कय्यूम चौधरी कानून कायदों व मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल के आदेशों को ठेंगा दिखाते हुए लगभग 1500 स्क्वायरफिट में अनधिकृत दो मंजिला गालो का अवैध निर्माण कर लिया है। जिसकी जानकारी एल/विभागीय इमारत अभियंता को होने के बावजूद वह कार्रवाई करने में नाकाम साबित हो रहे है। बताया जा रहा है कि उक्त अवैध निर्माण कनिष्ठ अभियंता व सहायक अभियंता के मिलीभगत से हुई है, जिसके चलते वह कार्रवाई करने में टालमटोल कर रहे है एक तरफ तो मनपा आयुक्त द्वारा अवैध निर्माणों पर सख्ती से पाबंदी लगाई है किंतु दूसरी तरफ मनपा एल/विभाग इमारत अभियंता क्षेत्र में भ्रष्टाचार के बलबूते अवैध निर्माण को बढ़ावा देने में लगे हुए है जिसकी मनपा आयुक्त को जांच करनी चाहियें तथा दोषी पाए जाने पर भ्रष्ट व निकम्मे मनपा अभियंताओ पर कार्रवाई करनी चाहिए जिससे भ्रष्टाचार पर लगाम लग सके।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत की कार्यकारिणी का विस्तार

संवाददाता/अरमान उल हक

संभल। भारतीय किसान यूनियन टिकैत की ब्लॉक रजपुरा में बैठक की गई। जहां संगठन का विस्तार करते हुए दुर्गेश सिंह यादव ग्राम चंदूनगला को युवा ब्लॉक अध्यक्ष रजपुरा व यादवेंद्र सिंह यादव को युवा ब्लॉक उपाध्यक्ष रजपुरा की जिम्मेदारी सौंपी गई। युवा मंडल अध्यक्ष मुरादाबाद वीरेश यादव ने दोनो नवयुक्त पदाधिकारियो को संगठन के संविधान के स्वरूप चलते हुए संगठन को मजबूत करने की शपथ दिलाई। तहसील अध्यक्ष अमर सिंह राजपूत ने बताया कि भारतीय किसान यूनियन टिकैत के द्वारा सदस्यता अभियान के तहत हर एक तहसील में गांव गांव जाकर कमेटी गठित करेंगे। ताकि आने वाली समय में किसान आंदोलन के लिए तैयार रहें। मंडल महासचिव मुकेश यादव ने बताया बताया सरकार द्वारा लाई गई नई सेना भर्ती अग्निपथ योजना का विरोध हम पुरजोर तरीके से करेंगे और गांव गांव जाकर युवाओं को समझाएंगे की सरकार आपके भविष्य खिलवाड़ कर रही है शांतिप्रिय ढंग से युवा आंदोलन करें हम सभी लोग युवाओं के साथ हैं। इस मौके पर नीरज यादव युवा जिला प्रभारी संभल यशपाल यादव ऋषि पाल सिंह यादव धर्मपाल कुशवाहा दुर्गेश छोटे सोनू सिंह सहित बहुत से साथी मौजूद रहे।

मेहताब चौहान की अध्यक्षता में मासिक बैठक का आयोजन किया गया

संवाददाता नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। आल इण्डिया मजलिसे इत्तेहादुल मुस्लिमीन पशिचमी उत्तर प्रदेश के कार्यालय पर मेहताब चौहान की अध्यक्षता में मासिक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें पार्टी के पद अधिकारियों सहित कार्यकताओ ने भी भाग लिया जिलाध्यक्ष फरीदुज्जफर रहमानी ने मासिक बैठक के दौरान सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारी पार्टी लगन एवं मेहनत के कार्य कर रहीं हैं किसी भी प्रकार का जाति व अन्य भेद भाव न रखते हुए सभी धर्मो के लोगों को एक साथ लेकर काम कर रहीं हैं आने वाले समय में और बेहतर काम को अंजाम दिया जायेगा जिले में पार्टी की छवि खराब करने वालों को बख्शा नहीं जायेगा ऐसी दशा में पार्टी की नीतियों के चलते उनके विरूद्ध कानूनी तौर पर अमली जामा पहनाया जायेगा आगे कहा कि हर जमाअत मोनाफिक होती हैं मुनाफिकों की परवाह न किये बगैर पार्टी दिलो जान से महनत कर सम्पूर्ण जिला में एक नई ऊचाई तक लेकर जायेगी बैठक के दौरान डा० अन्सार चीफ जनरल सेकेट्री आशिफ रजा जनरल सेकेट्री रईस अहमद जनरल सेकेट्री रामपुर ताहिर नवाज एडवोकेट सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

कानपुर हिंसा के खिलाफ जारी पुलिस कमिश्नर का प्रहार

संवाददाता/ सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां बीती 3 जून को हुई सांप्रदायिक हिंसा के मामले में साजिशकर्ता आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में गिरफ्तारी के बाद बाबा बिरयानी वाले की शहर में सारी दुकानें सील कर दी गई हैं। एसडीएम व अन्य अधिकारियों की मौजूदगी में यह कार्रवाई एवं रसद विभाग एफ डी ए द्वारा की गई है। उसने स्वरूपनगर, जूही,नवीन मार्केट, जाजमऊ,परेड, बेकनगंज, मछरिया समेत सभी दुकानों पर अचानक छापा मारकर उन्हें सील कर दिया। इसके पहले इन सभी दुकानों का लिया गया सैंपल भी जांच में फेल हो गया था, जिसके बाद ही जिलाधिकारी के आदेश पर यह कार्रवाई की गई। अवगत कराते चलें कि बीती 3 जून को परेड और नई सड़क इलाके में जमकर बवाल और तोड़फोड़ किया गया था। ऐसा करने वाले लोग पूरे शहर को सांप्रदायिक हिंसा की चपेट में देना चाहते थे, लेकिन हर तरह के अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई में सदैव अव्वल साबित हुए यहां के बेहद व्यवहार कुशल, तेजतर्रार, कर्मठ ईमानदार और निष्पक्ष तथा पारदर्शी कार्यशैली के जुझारू तेवरों वाले पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा द्वारा तत्काल की गई प्रभावी कार्रवाई ने हालातों पर न केवल पूर्ण नियंत्रण पाया बल्कि हिंसा के मुख्य आरोपी जफर हयात हाशमी और बाबा बिरियानी वाले जैसे शातिर दिमाग अपराधियों समेत हिंसा में शामिल 57 लोगों को जेल की हवा भी खिला दी, जिसके बाद से हालात पूर्ण तरह से नियंत्रण में और शांतिपूर्ण भी हैं। लेकिन इसके बाद भी कर्तव्य के प्रति निष्ठा के फलस्वरूप पुलिस कमिश्नर विजय सिंह मीणा हालातों पर लगातार न केवल पैनी नजर रखे हुए हैं बल्कि वह सारे आवश्यक कदम भी लगातार उठा रहे हैं, जो सांप्रदायिक सद्भाव तथा कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

पिंपल हो या हेयरफॉल, हर स्किन प्रॉब्लम का हल है कद्दू पैक

पौष्टिकता से भरपूर कद्दू की सब्जी सिर्फ सेहत के लिए ही फायदेमंद नहीं होती बल्कि इससे ब्यूटी की भी कई समस्याओं का हल किया जा सकता है। जी हां, मुंहासे हो या हेयरफॉल कद्दू हर लिहाज से बहुत ही चमत्कारी सब्जी है। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि अपनी खूबसूरती निखारने के लिए आप किस तरह कद्दू की सब्जी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

● बढ़ाए बालों की ग्रोथ

कद्दू के तेल से हफ्ते में 2 बार बालों की मसाज करें। पोटेशियम, आयरन, मैंगनीज, मैग्नीशियम, विटामिन्स से भरपूर इस तेल से बालों को जड़ों से पोषण मिलता है, जिससे वो मजबूत व लंबे होते हैं।

● ड्राई बालों के लिए असरदार

2 कप पके कद्दू में 1 टीस्पून नारियल तेल, 1 टीस्पून शहद और 1 टीस्पून दही मिक्स करें। अब शैंपू किए हुए बालों पर पेस्ट को लगभग 15 मिनट के लिए लगाकर छोड़ दें। फिर शैंपू से बालों को अच्छी तरह धो लें। हफ्ते में कम से कम 2 बार इसका इस्तेमाल करें।

● त्वचा में लचीलापन

कद्दू में मौजूद विटामिन ए, सी और ई कोलेजन उत्पादन को बढ़ाता है जिससे त्वचा का लचीलापन बरकरार रहता है। इसे चेहरे पर लगाने से झुर्रियों की समस्या दूर हो जाती है और आप एंटी-एजिंग से भी बची रहती हैं।

● रूखी व बेजान त्वचा

कद्दू के पल्प में विटामिन ई ऑयल मिलाकर स्किन पर लगाएं और 10-15 मिनट के बाद गुनगुने पानी से साफ कर दें। त्वचा में नमी बनी रहेगी और वो रूखी व बेजान नहीं होगी।

● एंटी-एजिंग समस्याएं

1 चम्मच कद्दू का पेस्ट लें और उसमें 1 चम्मच गुलाब जल मिलाएं। फिर इसमें चुटकीभर दालचीनी पाउडर मिलाएं। चेहरे पर लगाएं और गुनगुने पानी से धो दें। इससे त्वचा जवां दिखाई देगी।

● मुहांसे व दाग-धब्बे

1 चम्मच पीसा हुआ कद्दू और शहद मिलाकर पेस्ट बनाएं। अब इस पेस्ट को 10 मिनट के लिए चेहरे पर लगाकर छोड़ दें। फिर गुनगुने पानी से धो दें। इससे मुंहासे और दाग-धब्बों की समस्या दूर होगी।

● कद्दू और दही

2 चम्मच दही में 1 चम्मच कद्दू का जूस मिलाए। फिर इसे अपनी स्किन पर 10 मिनट तक लगाकर रखे। फिर गुनगुने पानी से धो दें। इससे स्किन एजिंग की निशान मिट जाते हैं।

● ग्लोइंग स्किन

बाउल में 1 चम्मच कद्दू का पेस्ट और आधा चम्मच बादाम तेल मिक्स करें। फिर चेहरे पर 10 मिनट लगाकर रखे। इससे चेहरे पर ग्लो आएगा और स्किन साफ होगी।

ग्लोइंग स्किन पाने के लिए इस्तेमाल करे कच्चा दूध

दूध न केवल सेहत के लिए फायदेमंद होता है बल्कि यह आपकी त्वचा को भी सुंदर बनाने में काफी मदद करता हैं। दूध में कई तरह के ऐसे तत्व पाए जाते है जो कि हमारी त्वचा को विभिन्न तरह की समस्या से बचा कर उसे जवां बनाए रखने में मदद करते है। चलिए बताते है कि किस तरह कच्चे दूध को आप फेस पैक, स्क्रब व अन्य तरीकों से अपनी त्वचा पर इस्तेमाल कर सकते है।

➤ क्लींजर

मार्किट के मिलने वाले क्लींजर की जगह कच्चा दूध बहुत ही अच्छा क्लींजर होता है इससे चेहरे को किसी तरह का नुकसान भी नही पहुंचता हैं। इसके लिए कच्चे दूध में एक कॉटन के टूकड़े को डुबो कर साफ चेहरे पर लगाना चाहिए। कुछ देर बाद जब आप अपना चेहरा धोएगें तो वह पूरी तरह साफ हो जाएगा।

➤ स्किन रहेगी सॉफ्ट

गुलाब की पखुड़ियों को पीसकर आधा गिलास कच्चे दूध में 30 मिनट तक भिगो कर रखें। इसके बाद इस पेस्ट को पूरे चेहरे पर लगा कर हल्के हाथों से मसाज करें। कुछ समय बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें, आपकी स्किन पिंक व सॉफ्ट हो जाएगी।

➤ ग्लोइंग त्वचा

अगर त्वचा ज्यादा ड्राई है तो दो चम्मच दूध में मलाई व 1 चम्मच शहद मिलाकर त्वचा पर लगा लें। इससे चेहरे की सारी खुश्की खत्म हो जाएगी व त्वचा ग्लो करने लगेगी।

➤ सांवली त्वचा

सांवली त्वचा पर ग्लो लाने के लिए दूध की मलाई में हल्दी पाउडर डालकर चेहरे पर लगाएं। कुछ समय बाद इसे रगड़ कर उतार लें। दो हफ्ते तक यह तरीका अपनाए आपके चेहरे में काफी निखार आ जाएगा।

➤ ब्लीच की जगह

दो चम्मच दूध में 1 चम्मच शहद, व नींबू का रस मिलाकर 10 मिनट तक चेहरे पर लगा रहने दें। चेहरे के लिए यह बहुत ही अच्छी ब्लीच का काम करेगा।

➤ खत्म होगी बारीक लाइन

1 केले को कच्चे दूध में मैश कर पेस्ट बना कर स्किन पर 15 मिनट लगा कर छोड़ दें। उसके बाद इसे पानी से धो लें। त्वचा पर ग्लो लाने के साथ यह बारीक लाइन्स को भी खत्म करने में मदद करती हैं।

➤ सनबर्न

धूप में रहने के कारण कई बार स्किन पर सनबर्न हो जाता है ऐसे में उस जगह पर बटरमिल्क लगाएं। सनबर्न को दूर करने के साथ यह टैनिंग को भी दूर करेगा।

➤ फटे होंठ

अगर होंठ फटे हुए है तो रात को सोने से पहले एक बूंद गुलाबजल, नींबू का रस दूध की मलाई में मिलाकर लगा लें। नियमित रुप से इसका प्रयोग करने पर फटे होंठ जल्दी ठीक हो जाएगें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अभय देओल ने खोली फिल्म इंडस्ट्री की पोल

बॉलीवुड के सबसे सिन्सियर और सुलझे हुए कलाकार कहे जाने वाले अभय देओल इन दिनों अपने एक बयान को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। दरअसल एक्टर वैसे तो बहुत कम ही मीडिया के कंट्रोवर्सी में पड़ते हुए दिखाई देते हैं। अभय देओल ने क्लियर किया कि कैसे फिल्म मेकर्स ने फिल्म के बारे में बज बनाने के लिए लोगों को उनके बारे में नेगेटिव कहानियां लिखने के लिए प्रोत्साहित किया। इंडस्ट्री में जानबूझकर लोगों की एक नकारात्मक छवि बनाने की कोशिश की जाती हैं। अभय देओल ने बताया कि फिल्म रिलीज से पहले लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए सेट पर स्टार्स के रिश्तों के बारे में कुछ कहानियां बनाई जाती हैं। हमारे द्वारा सुनाई जाने वाली ज्यादातर चीजें हमें बताई जाती हैं। वही एक्टर ने यहां तक कह दिया की जनता को आकर्षित करने के लिए मशहूर हस्तियों को पब्लिक फिगर बनाया जाता है। इसके साथ ही अभय देओल ने बॉलीवुड इंडस्ट्री की कई बातें सामने रखते हुए बताया की सेट पर को-स्टार्स जे साथ रिलेशन में आने की खबर, डेटिंग की अफवाहों से लेकर सेट पर लड़ाई की कहानियों तक, फिल्म की रिलीज से पहले लोगों का ध्यान आकर्षित करने के लिए बहुत सारी कहानियां गढ़ी जाती हैं। दर्शकों को आकर्षित करने के लिए सेलिब्रिटीज की इमेज बनाई जाती है। इसलिए इंडस्ट्री में चल रही गॉसिप का सेवन चुटकी भर नमक के तौर पर करना चाहिए।

मां बनने वाली हैं आलिया भट्ट

एक्ट्रेस आलिया भट्ट मां बनने वाली हैं। इसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर की है। आलिया ने हॉस्पिटल की फोटो शेयर कर लिखा, 'हमारा बेबी...जल्द आ रहा है'। फोटो में वे अल्ट्रासाउंड करवा रही हैं, जिसमें पति रणबीर भी उनके साथ नजर आ रहे हैं। फिलहाल, आलिया-रणबीर लंदन में हैं। इस खबर के आते ही इंडस्ट्री के उनके दोस्तों से लेकर फैंस तक सब उन्हें बधाई दे रहे हैं। रणबीर और आलिया ने इसी साल 14 अप्रैल को परिवार और कुछ खास दोस्तों की मौजूदगी में शादी की थी। 2017 में फिल्म ब्रह्मास्त्र के सेट पर मुलाकात के बाद दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। डेटिंग के 5 साल बाद उन्होंने शादी की।

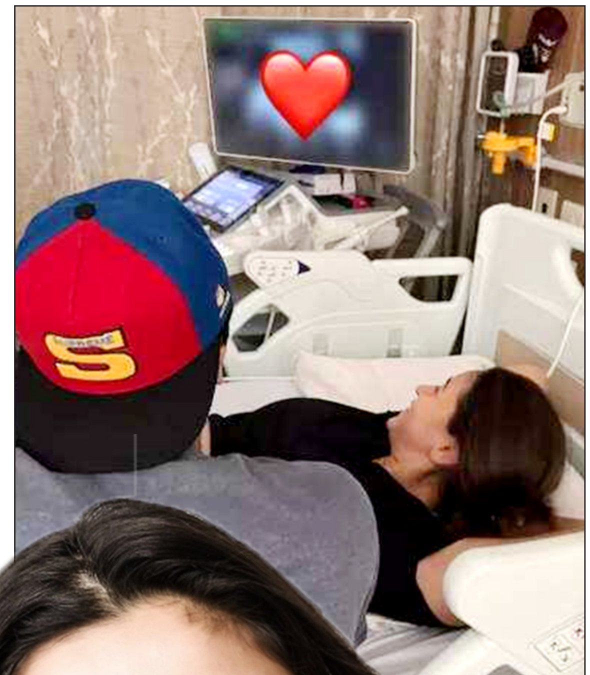

जान्हवी कपूर को अपने फ्यूचर पार्टनर में ये खास क्वालिटीज

जाह्नवी कपूर बॉलीवुड की उन यंग एक्ट्रेसेस में से है जो अपनी खूबसूरती की वजह से लोगो को दिलो पर राज करती है। ऐसे में दुनिया का हर लड़का जाह्नवी कपूर के ही सपने देखता है। हर कोई चाहता है कि एक्ट्रेस उसको डेट कर ले। जाह्नवी कपूर अपने फ्यूचर पार्टनर को लेकर बड़ा खुलासा कर दिया है। एक प्रमोशनल एक्टिविटी के दौरान उन्होंने हाल ही में बताया कि अपने फ्यूचर लाइफ पार्टनर में वो कौन सी क्वालिटीज चाहती हैं। उन्होंने बताया कि उनके फ्यूचर पार्टनर में क्या चीजें होनी जरूरी हैं। जाह्नवी कपूर ने कहा, वह जो भी काम करता हो उसे लेकर वह बहुत ज्यादा टैलेंटेड और पैशिनेट होना चाहिए। यानी जाह्नवी कपूर ने एक तरह से यह तो साफ ही कर दिया कि उनके लिए ऐसा बिलकुल भी जरूरी नहीं है कि उनका होना वाला पति या बॉयफ्रेंड कोई एक्टर ही हो। वह फिल्म इंडस्ट्री के अलावा किसी और पेशे में भी हो सकता है। जाह्नवी कपूर ने अपने होने वाले लाइफ पार्टनर के बारे में बताया, मैं चाहूंगी कि मैं उसे लेकर एक्साइटेड रहूं और उससे कुछ सीख पाऊं। इसके अलावा सेंस ऑफ ह्यूमर भी बहुत जरूरी है। और हां, वह मुझसे बहुत ज्यादा प्यार करता हो।